# हिन्दुस्तान एकता

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक RNI-HRHIN/26/A1127

वर्ष: 07, अंक: 03, पृष्ठ: 04, कैथल, मूल्य: रुपए. 01/- बुधवार 18 मार्च 2026 E-mail: Info@hindustanekta.com

## लोकसभा में विपक्ष के 8 सदस्यों का निलंबन वापस लिया गया

### हंगामा करने के आरोप में 8 विपक्षी सांसदों को बजट सत्र के शेष भाग के लिए निलंबित किया गया था

**नई दिल्ली**/लोकसभा ने मंगलवार को विपक्ष के आठ सदस्यों का निलंबन वापस ले लिया। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सदन में यह प्रस्ताव पेश किया, जिसका ध्वनिमत से सभी ने एकमत होकर समर्थन किया। लोकसभा में बजट सत्र के पहले चरण में 3 फरवरी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नहीं बोलने देने के खिलाफ विपक्षी सदस्यों ने आसन के सामने आकर भारी विरोध प्रदर्शन किया था। उस संदर्भ में सदन की कार्यवाही में बाधा डालने और हंगामा करने के आरोप में 8 विपक्षी सांसदों को बजट सत्र के शेष भाग के लिए निलंबित किया गया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सोमवार को सभी दलों के नेताओं संग हुई बैठक में इस मुद्दे को लेकर पक्ष-विपक्ष में चल रही तनातनी का हल निकालने के लिए इन सदस्यों का निलंबन खत्म करने पर यह सहमति बनी थी। इन सदस्यों में सर्वश्री गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, एडवोकेट डीन कुरियाकोस, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, बी. मणिक्कम टैगोर, डॉ. प्रशांत यादवराव पाडोले, चामला किरण कुमार रेड्डी और एस. वेंकटेशन थे। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज सदन में प्रस्ताव पेश करने के दौरान कहा कि सदन के प्रभावी और फलदायी संचालन के लिए सीमाएं निर्धारित करना आवश्यक है। सदन में नियम कार्य-प्रक्रिया की परंपरा हैं। कल हमने कहा था कि यदि विपक्ष सदन और अध्यक्ष के नियमों का पालन करने में हमारी मदद करता है, तो हम भी ऐसा ही करेंगे। यदि विपक्ष सीमाओं के निर्धारण पर सहमत होता है और प्रतिबद्धता व्यक्त करता है, तो हम भी उसका पालन कर सकते हैं। इसके बाद रिजिजू ने 8 निलंबित सांसदों के निलंबन को रद्द करने का प्रस्ताव रखा। सूत्रों के मुताबिक पिछली बैठक में यह भी सहमति बनी कि संसद की गरिमा और स्थापित परंपराओं का सभी द्वारा पालन किया जाएगा। यह भी निर्णय लिया कि कोई भी सदस्य वेल में दूसरी तरफ नहीं जाएगा, कागज फाड़कर आसन की ओर नहीं फेंकेगा और अधिकारियों की मेज पर नहीं चढ़ेगा। इसके अलावा, सभी सदस्य सदन की मयार्दा का पालन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटनाएँ भविष्य में दोबारा न हों।

इस बीच, लोकसभा सचिवालय ने सांसदों को संसद परिसर में मयार्दा बनाए रखने के संबंध में एक बुलेटिन जारी किया है। इसमें दिशा-निर्देश 124ए(2) का हवाला दिया गया है, जो संसद परिसर के क्षेत्र और मार्ग को सांसदों के लिए खुला और बाधारहित बनाए रखने के लिए कुछ गतिविधियों पर रोक लगाता है। बुलेटिन में विशेष रूप से कहा गया है कि परिसर में हथियार, झंडे, पोस्टर, लाठी, भाला, तलवार, डंडे और ईंट आदि ले जाना निषिद्ध है। सांसदों को बार-बार निर्देश दिया गया है कि वे पोस्टर, प्लैकार्ड या बैनर न लाएँ और न प्रदर्शित करें।

इसके अलावा, बुलेटिन में कहा गया है कि कुछ मामलों में पोस्टर और प्लैकार्ड पर एआई-जनित आपत्तिजनक चित्र, तस्वीरें और नारे प्रदर्शित किए गए हैं।

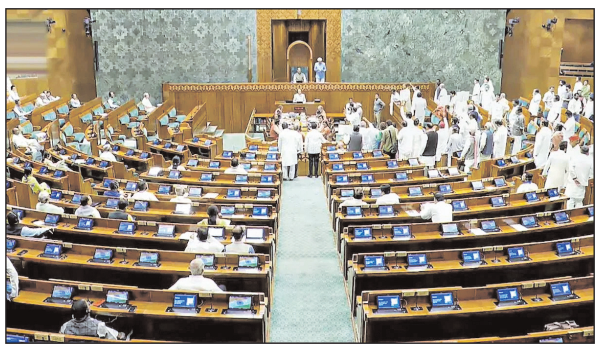

### सरकार ने लोकसभा से 'जन विश्वास संशोधन विधेयक' को वापस लिया

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा से जन विश्वास विधेयक को वापस ले लिया। लोकसभा की चयन समिति की सिफारिशों को शामिल करने के बाद इस विधेयक को फिर से पेश किया जाएगा। इस बिल का उद्देश्य विश्वास-आधारित शासन को और बढ़ावा देने के लिए कुछ कानूनों में संशोधन करके अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना और उन्हें तर्कसंगत बनाना है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज सदन की अनुमति लेने के बाद प्रवर समिति द्वारा रिपोर्ट किए गए 'जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2025' को वापस ले लिया।

## शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपये हुआ निर्धारित

**कैथल**/हरियाणा सरकार ने मधुमक्खी पालकों के हित में बड़ा कदम उठाते हुए भावांतर भरपाई योजना के तहत शहद का संरक्षित मूल्य 120 प्रति किलोग्राम निर्धारित किया है। डीसी अपराजिता ने बताया कि इस निर्णय से शहद उत्पादकों को उचित मूल्य मिलने के साथ उनकी आय में स्थिरता आएगी।

योजना का लाभ लेने के लिए मधुमक्खी पालकों को मधुक्रांति पोर्टल और भावांतर भरपाई पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। भौतिक सत्यापन की अंतिम तिथि 30 जून 2026 तय की गई है। जिला बागवानी अधिकारी डॉ. हीरा लाल ने किसानों से समय पर पंजीकरण कराने की अपील की है, ताकि योजना का लाभ सीधे उनके खातों तक पहुंच सके।

## प्रधानमंत्री से सपरिवार मिले वरुण गांधी

- पीएम के व्यक्तित्व को आभामंडल से युक्त बताते हुए कहा कि उनमें अद्भुत पितृवत स्नेह और संरक्षण का भाव झलकता है
- भाजपा के युवा चेहरों में गिने जाने वाले वरुण की सक्रियता पिछले कुछ समय से अपेक्षाकृत कम है

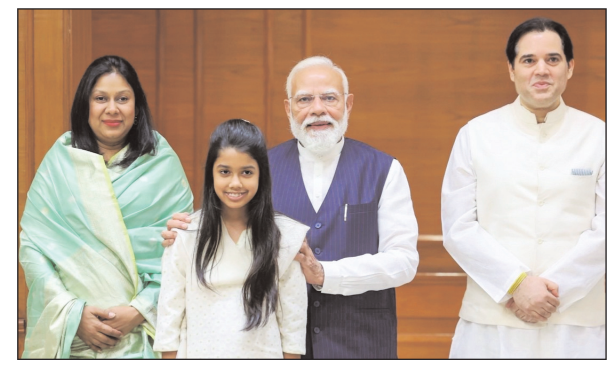

**नई दिल्ली/हिन्दुस्तान एकता**
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद वरुण गांधी ने सपरिवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान वरुण के साथ उनकी पत्नी और पुत्री भी उपस्थित रहीं। वरुण ने प्रधानमंत्री से आशीर्वाद लिया और मार्गदर्शन हासिल करने की बात कही। वरुण गांधी ने इस मुलाकात की फोटो मंगलवार को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि परिवार सहित प्रधानमंत्री से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व को आभामंडल से युक्त बताते हुए कहा कि उनमें अद्भुत पितृवत स्नेह और संरक्षण का भाव झलकता है। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया है कि प्रधानमंत्री देश और देशवासियों के सच्चे अभिभावक हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा के युवा चेहरों में गिने जाने वाले वरुण गांधी की सक्रियता पिछले कुछ समय से अपेक्षाकृत कम है। उनकी पत्नी यामिनी मूलरूप से कोलकाता से आती हैं। ऐसे में कुछ लोग इस मुलाकात को पश्चिम बंगाल के चुनाव से भी जोड़कर देख रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की मुलाकातें और सार्वजनिक वक्तव्य भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं और समीकरणों की ओर भी संकेत कर सकते हैं, हालांकि इस पर अभी कोई आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है।

## विधानसभा में कैथल की अनाधिकृत कॉलोनियों का मुद्दा

**कैथल**/हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला ने जिले की अनधिकृत कॉलोनियों और आम लोगों से जुड़ी बुनियादी समस्याओं को जोरदार तरीके से उठाया। अपने अभिभाषण के दौरान उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि अनधिकृत कॉलोनियों को रेगुलराइज करने की बात तो की जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर उन कॉलोनियों की अनदेखी हो रही है, जहां एससी-बीसी और आम वर्ग के लोग रहते हैं। विधायक ने कैथल की कई अनधिकृत कॉलोनियों का नाम लेते हुए सरकार को घेरा और कहा कि बलराज नगर, डिफेंस कॉलोनी पार्ट-2, रामनगर, बैंक कॉलोनी, भगत सिंह कॉलोनी (गली नंबर 3 व 4), पुरानी अनाज मंडी क्षेत्र, रैली गोदाम, सिरटा रोड, अर्जुन नगर, बाल सेठ कॉलोनी, डीएवी कॉलोनी, मायापुरी कॉलोनी, करण विहार, शिव नगर और शक्ति नगर जैसी कॉलोनियों में न तो रेगुलराइजेशन हो रहा है और न ही लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल पा रही हैं।

उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में सीवरेज की समस्या गंभीर बनी हुई है और कई जगह गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

## साइबर अपराध में आई कमी: सीएम नायब सैनी

### विधानसभा में साइबर अपराध के संबंध में रिपोर्ट पेश

**चंडीगढ़**/हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंगलवार को विधानसभा में साइबर अपराध के संबंध में रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि साइबर अपराध के मामलों में कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में 6054 मामलों के मुकाबले 2025 में यह संख्या घटकर 5000 रह गई, यानी लगभग 17 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि ठगी के मामलों में भी 9804 से घटकर 6324 तक कमी आई है, जो करीब 36 प्रतिशत की गिरावट दर्शाती है। हालांकि, डिजिटल अरेस्ट जैसे नए तरीकों ने चुनौती को और जटिल बना दिया है, जिसके चलते नए समाधान तलाशे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्ती भी बढ़ाई गई है। वर्ष 2024 में 5156 गिरफ्तारियों के मुकाबले 2025 में यह आंकड़ा बढकर 8093 हो गया, जो लगभग 57 प्रतिशत अधिक है। साथ ही, पुलिस और बैंक मिलकर ठगी की राशि को तुरंत होल्ड करने का काम कर रहे हैं। वर्ष 2025 में 40 प्रतिशत रकम को समय रहते रोका गया, जो पहले 27 प्रतिशत थी।

- 2026-27 में गोहाना, बहादुरगढ़ और सोनीपत में तीन नए साइबर पुलिस स्टेशन खोलने की घोषणा की है

राज्य में साइबर अपराध की शिकायत के लिए 1930 हेल्पलाइन और जीरो एफआईआर की सुविधा लागू है, जिससे तुरंत कार्रवाई संभव हो पाती है। इसके अलावा, सरकार ने बजट 2026-27 में गोहाना, बहादुरगढ़ और सोनीपत में तीन नए साइबर पुलिस स्टेशन खोलने की घोषणा भी की है।

## पूंडरी में 7.77 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी

**पूंडरी।** पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में विकास को गति देते हुए लगभग 7 करोड़ 77 लाख की विभिन्न परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। विधायक सतपाल जाम्बा ने बताया कि पुंडरीक तीर्थ पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए 415.65 लाख, शहर में आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम के निर्माण के लिए 205.12 लाख तथा अन्य विकास कार्यों के लिए 156.85 लाख की राशि मंजूर की गई है।

इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाएं मजबूत होंगी, जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी और तीर्थ स्थल की आकर्षण क्षमता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे।

## भगवान परशुराम मेडिकल कॉलेज का डीसी अपराजिता ने किया निरीक्षण

### जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य, 935 करोड़ की परियोजना 83% पूर्ण

**कलासो देवी। कैथल**
**डीसी** अपराजिता ने मंगलवार को गांव सांपन खेड़ी स्थित निर्माणाधीन भगवान परशुराम राजकीय मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का बारीकी से जायजा लेते हुए अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने सबसे पहले अस्पताल परिसर का अवलोकन किया। सात मंजिला भवन में जमीनी तल सहित प्रत्येक मंजिल पर बनाए जा रहे चिकित्सीय कक्षों, अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे सुविधाओं की जानकारी नक्शे के माध्यम से ली। इसके बाद उन्होंने शैक्षणिक ब्लॉक, छात्रावास और रेजिडेंट डॉक्टरों के आवासीय परिसर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। हरियाणा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कराया जा रहा है। करीब 935 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस परियोजना का लगभग 83 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और इसे जून 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मेडिकल कॉलेज के शुरू होने के बाद कैथल और आसपास के जिलों के लोगों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होंगी। वर्तमान में गंभीर मरीजों को इलाज के लिए चंडीगढ़, रोहतक पीजीआई और कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज जैसे संस्थानों में रेफर करना पड़ता है।

> निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और अधिकारियों को इसे तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मेडिकल कॉलेज के शुरू होने के बाद क्षेत्र के लोगों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी और युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर प्राप्त होंगे।
>
> डीसी अपराजिता

**530 बेड का अस्पताल और 100 एमबीबीएस सीटें:** डीसी ने बताया कि करीब 20 एकड़ भूमि पर कैथल-करनाल रोड पर बन रहे इस मेडिकल कॉलेज में 530 बिस्तरों वाला आधुनिक बहुमंजिला अस्पताल तैयार किया जा रहा है।

इसके साथ ही 100 एमबीबीएस सीटों की व्यवस्था की जाएगी, जिससे क्षेत्र के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे।

## इनेलो ने राज्यसभा चुनाव का बहिष्कार करके लोकतंत्र का अपमान किया: मोहन लाल बड़ौली

**चंडीगढ़**/भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद संजय भाटिया को जीत की बधाई देते हुए कहा कि सांसद संजय भाटिया अपने लंबे राजनीतिक अनुभव से उच्च सदन में हरियाणा की जनता की आवाज को और अधिक सशक्त बनाएंगे। मोहन लाल बड़ौली ने इनेलो के राज्यसभा चुनाव के बहिष्कार को लोकतंत्र का अपमान किया है।

बड़ौली ने कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधा। भाजपा नेता मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि इनेलो कांग्रेस पार्टी की बी टीम साबित हुई। इनेलो ने चुनाव का बहिष्कार करके अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस का ही सपोर्ट किया है। इनेलो ने अपने विधायकों को वोट करने से रोका यह लोकतंत्र का अपमान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में बढ़ते आंतरिक संघर्ष, गुटबाजी के चलते बची-खुची कांग्रेस पार्टी भी अब बिखराव की तरफ बढ़ रही है।

बड़ौली ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस अपने विधायकों को हिमाचल में अलग-अलग स्थानों पर लेकर जाती रही।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को अपने विधायकों पर ही भरोसा नही है। कांग्रेस की हालत खराब है, यही कारण है कि कांग्रेस के विधायक कांग्रेस पार्टी से तंग आ चुके हैं।

## समाधान शिविर में डीसी ने सुनीं शिकायतें

**कलासो देवी। कैथल**
**लघु** सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की विभिन्न समस्याएं सुनी गईं, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान किया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए। डीसी अपराजिता के निर्देशानुसार आयोजित शिविर में सीटीएम गुरविंद्र सिंह भी मौजूद रहे। डीसी ने कहा कि शिविरों का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि ऐसे शिविर हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जाते हैं।

## राज्यसभा चुनाव के बाद कांग्रेस में छिड़ा घमासान

- कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राम किशन गुर्जर का इस्तीफा
- कांग्रेस पांच विधायकों को नोटिस देने की तैयारी में

**चंडीगढ**/हरियाणा में राज्यसभा चुनाव परिणाम का ऐलान होने के बाद कांग्रेस में घमासान मच गया है। क्रास वोटिंग के आरोपों के बाद कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और नारायणगढ़ की विधायक शैली चौधरी के पति रामकिशन गुर्जर ने मंगलवार को पद से इस्तीफा दे दिया। हरियाणा में राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव परिणाम देर रात्रि घोषित हुआ, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी कर्मवीर बौद्ध को विजयी घोषित किया गया। मगर कर्मवीर बौद्ध के खाते में 37 में से महज 28 वोट ही आए, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी सतीश नांदली को 25 वोट मिले, जिसके चलते उन्होंने आखिर तक कर्मवीर बौद्ध को टक्कर दी। क्रॉस वोटिंग की इस घटना ने यह साफ कर दिया है कि कांग्रेस अभी भी गुटबाजी से उभर नहीं पा रही है। लिहाजा, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा हाईकमान को सौंपी गई रिपोर्ट और सांसद दीपेंद्र हुड्डा के सख्त तेवर इस बात के संकेत हैं कि पार्टी अब अनुशासनहीनता पर किसी भी तरह की नरमी बरतने के पक्ष में नहीं है। कांग्रेस अपने पांच विधायकों को नोटिस देने की तैयारी में है, वहीं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामकिशन गुर्जर के इस्तीफे ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। पांच विधायकों की क्रॉस वोटिंग और चार विधायकों के वोट निरस्त होने का पूरा ब्योरा कांग्रेस हाईकमान तक पहुंच चुका है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तक भी इन विधायकों के नाम भेज दिए गए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी लाइन से हटकर काम करने वाले विधायकों पर किसी भी समय कार्रवाई हो सकती है।

## असंध-कुरुक्षेत्र बस सेवा शुरू

**कैथल।** पूंडरी विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। असंध से कुरुक्षेत्र के बीच नई बस सेवा शुरू होगी। विधायक सतपाल जाम्बा ने बताया कि यह बस उन्होंने बताया कि यह बस पूंडरी विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों से होकर गुजरेगी, जिनमें बाकल, रमाना, हजवाना, बरसाना, खेड़ी सिकंदर, जाम्बा, मोहना, पुंडरी, म्योली, फरल, चूहड़माजरा, ढांड और पबनावा शामिल हैं। इससे विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह लंबे समय से लंबित मांग थी, जिसके पूरा होने से पूंडरी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

## हरियाणा: राज्यसभा चुनाव में क्रास वोटिंग पर सदन में हंगामा

**त्र्चंडीगढ़**/राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग को लेकर आज विधानसभा में खूब हंगामा हुआ। हंगामे के बीच बजट अनुमानों की रिपोर्ट पेश की गई, लेकिन हंगामे को बढ़ते देख विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित की। इसके बाद कार्यवाही शुरू हुई तो नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सामाजिक न्याय मंत्री कृष्ण बेदी के बीच तीखी नोकझोक हुई। इसी बीच लंच तक कार्यवाही स्थगित कर दी। लंच के बाद कांग्रेस विधायकों ने हंगामा शुरू किया, स्पीकर की ओर से कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन कांग्रेस विधायकों का हंगामा जारी रहा। इसके बाद स्पीकर ने कांग्रेस के आठ विधायकों को नेम किया, जिसके विरोध में कांग्रेस ने वॉकआउट करते हुए सदन छोड़ दिया। वहीं, सदन छोड़ने पर भाजपा की ओर से मंत्री कृष्ण बेदी ने निंदा प्रस्ताव पेश किया, जिससे सर्वसम्मति से पारित किया गया। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्नकाल के बाद बेरी से कांग्रेस विधायक रघुवीर कादियान ने क्रॉस वोटिंग का मुद्दा उठाया। हालांकि, विस अध्यक्ष ने उन्हें यह कहते हुए टोका कि यह सदन का विषय नहीं है। दोनों पार्टियां अपने स्तर पर सदन से बाहर इस अपने-अपने स्तर पर फैसला लें।

## बच्चों को गोद लेने वाली हर मां को मिलेगा मातृत्व अवकाश

**नई दिल्ली।** अब हर उम्र के बच्चों को गोद लेने वाली हर मां को मातृत्व अवकाश मिलेगा। उच्चतम न्यायालय ने अपने अहम फैसले में साफ किया है कि तीन महीने से ज्यादा उम्र के बच्चों को गोद लेने वाली महिलाएं भी मैटरनिटी लीव की हकदार होंगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वो मातृत्व अवकाश की तरह पितृत्व अवकाश को भी कानूनी मान्यता प्रदान करने की दिशा में काम करें। कोर्ट ने कहा कि पिता भी अपने बच्चों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोर्ट ने कोड ऑफ सोशल सिक्योरिटी एक्ट की धारा 60(4) को रद्द कर दिया जिसके मुताबिक अभी तक 3 महीने तक के बच्चे को गोद लेने पर ही 12 हफ्ते की छुट्टी का प्रावधान था। कोर्ट ने कानून के इस प्रावधान को समानता के मौलिक अधिकार का हनन करने वाला बताया। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ जन्म से ही परिवार नहीं बनता, प्यार और देखभाल से भी बनता है।

## संपादकीय

# युद्ध से बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को बड़ा खतरा

15 दिनों से चला आ रहा युद्ध, भीषण होता जा रहा है, ईरान की हटधर्मिता से अमेरिका- इजरायल ही नहीं, अन्य देश भी सधी हुई युद्ध नीति से अचंभित है, जबकि दूसरी और अमेरिका अपनी ही चालो में फसकर रह गया है, उनकी सभी योजनाओं के विफल होने से अमेरिका युद्ध में खुद फसा आ रहा है वेनेजुएला की तरह ईरान को अपने अधिकार क्षेत्र लाने मे कामयाब होने के लिए युद्ध की शरुआत में ईरान के नहीं विश्व के शिया मुश्लिम नेता खामनेई की हत्या कर दी गई, इस हत्या से पुरे विश्व के शिया मुश्लिमों मे रोष है भारत भी इस रोष से बच नहीं पाया, भारत के लखनऊ, रांची और कश्मीर जैसे शहरों में लोग खामनेई हत्या के विरोध मे बड़ी संख्या मे सड़को पर उतरे। अभी तक इतिहास में मिडिल ईस्ट में सबसे ज्यादा अधिक हमले हुए है.. अमेरिका के अनुसार ईरान अपने अस्तित्व के आखिर मे है, लेकिन ईरान की लड़ाई की नीति ने खाड़ी देशो उन सभी देशो (जहाँ अमेरिका सैनिक अड्डे है) पर बम्बारी कर सभी को अचंभीत ही नहीं किया बल्कि अमेरिका को भी चेताया, बढ़ते युद्ध में आने वाले समय में परमाणु हथियारों का उपयोग भी किया जा सकता है। इस युद्ध के कारण में विश्व में कच्चे तेल के बढ़ते दामों से पुरे विश्व में महगाई बढ़ने के आसार बढ़ रहे है यही ईरान की नीति भी है कि विश्व में बढ़ते कच्चे तेल के बढ़ते दामों का ठीकरा अमेरिका पर फोड़ उसे दोषी ठहरा सके।

भारत सरकार अपनी सफल कूटनीति से और विदेश मंत्रालय की सक्रियता से अपने मूल के लोगो को खाड़ी देशो से निकाल स्वदेश वापसी कराकर एक फिर अपने को साबित किया है, भीषण युद्ध के बीच भारत कच्चा तेल ही नहीं एल पी जी और पी इन जी लाने मे भी सफलता हासिल की है, जबकि भारत के पास अपनी क्षमता के अनुसार 70 दिन का भंडार उपलब्ध है। लेकिन भविष्य की चुनोतियों को नकारा नहीं जा सकता है, खाड़ी देशो मे खाद्य पदार्थो की बढ़ती कीमतें वहा की अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बनती जा रही है। भारत का विपक्ष इस समय आपदा मे अवसर ढूंढने की तलाश में है, समय की गंभीरता को नकाराते हुए, पूरे विपक्ष के भिन्न भिन्न नेताओं के द्वारा दिए गए ब्यान सरकार को कमजोर साबित करने की कोशिश कर देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बनने की कोशिश कर रहे, विपक्ष के नेताओं के अमर्यादित बयानों से अमेरिका ईरान के युद्ध से दुखी लोगो को उकसाकर देश को ग्रहयुद्ध जेसे हालात पैदाकार विपदा में धकेलने का प्रयास कर रहे है, भविष्य में देश में आतंकवादी घटनाओ और पंथ विशेष संघर्ष जैसे हालातो से नकारा नहीं जा सकता है, भारत को अपनी राष्ट्रीय सीमाओं के साथ अपनी आंतरिक सुरक्षा के लिए सचेत व सजग रहने की आवश्यकता हैं । अगर जल्द यह युद्ध नहीं रुका तो विश्व अन्य देश भी इसकी जद में आने से अछूते नहीं रहेंगे, युक्रेन- रसिया 4 साल से युद्ध लड़ ही रहे है, पाकिस्तान- अफगानिस्तान एक दूसरे पर निरंतर बमबारी कर रहे है, उत्तरी कोरिया झ्र पश्चामी कोरिया पे 2 बार मिसाइल छोड़ चुका है, वही चाइना और ताईवान आमने सामने आ चुके हैं। चाइना के दबाव मे पाकिस्तान से हमले को भी भारत को अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

# दूषित जल: विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

**ललित गर्ग**

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो।

दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकांश बीमारियों की शुरूआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है, बल्कि कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और अन्य हानिकारक रसायनों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है। विकास की अंधी दौड़ ने भी इस संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेजी से फैलते शहर, बढ़ते उद्योग और बढ़ती आबादी जल संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहे हैं। लेकिन इसके समानांतर जल प्रबंधन की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो पाई है। कई शहरों में सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में पहुंच जाता है। जब यही जल स्रोत पेयजल आपूर्ति का आधार बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूषित जल का प्रभाव केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है। नदियों और झीलों में बढ़ते प्रदूषण से जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूषित जल का उपयोग जब खेती में होता है तो वह मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है और अंततः खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचता है। इस प्रकार जल प्रदूषण का दायरा व्यापक और बहुआयामी है। इस समस्या के समाधान के लिए केवल योजनाएं बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। सबसे पहले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल के नमूने लेने की प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब प्रदूषित पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही जलापूर्ति और सीवेज व्यवस्था के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया जाना चाहिए। जिन शहरों और कस्बों में पाइपलाइन व्यवस्था दशकों पुरानी हो चुकी है, वहां उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण भी आवश्यक है। उद्योगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका कचरा बिना उपचार के किसी भी जल स्रोत में न जाए। इसके लिए कड़े नियमों के साथ-साथ प्रभावी निगरानी तंत्र की भी जरूरत है। स्थानीय निकायों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई बार जल आपूर्ति और उसकी गुणवत्ता की निगरानी दोनों की जिम्मेदारी उन्हीं के पास होती है। ऐसी स्थिति में पारदर्शिता की कमी हो जाती है।

निश्चिततौर यह समझना होगा कि स्वच्छ जल केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। जिस प्रकार भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य को जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं में शामिल किया जाता है, उसी प्रकार स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी उतनी ही अनिवार्य है। यदि देश को वास्तव में स्वस्थ और समृद्ध बनाना है तो जल की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं तभी पूर्ण रूप से सफल मानी जाएंगी जब हर घर तक पहुंचने वाला पानी वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। जब तक समाज, प्रशासन और सरकार मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक दूषित जल का संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाएगा।

# विपक्ष कब करेगा आत्ममंथन? बिहार रास चुनाव में विपक्ष की करारी हार

**सौरभ वार्ष्णेय**

बिहार की राजनीति में हाल ही में हुए राज्सभा चुनाव ने कई राजनीतिक संकेत दिए हैं। इस चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के नेता राजद के लिए परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे। सीटों के गणित और राजनीतिक समीकरणों के कारण जिस तरह का परिणाम सामने आया, उसने विपक्षी राजनीति में असहजता और भीतर की पीड़ा को उजागर कर दिया। जिसे लेकर तेजस्वी यादव का दर्द छलक पड़ा? क्या विधायक इनके विश्वास पर खरे नहीं उतरे या भाजपा की रणनीति समझ नहीं पाये। इस सवाल उठ रहे है कि विपक्ष अब आत्ममंथन कब करेगा? बिहार जैसे राज्यों में तो स्थिति इतनी उलझी कि विपक्षी खेमे के कुछ विधायक मतदान के समय अनुपस्थित रहे और पूरा समीकरण बदल गया। यह घटना केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि विपक्ष के भीतर मौजूद कमजोरियों का संकेत भी है।

राज्यसभा जैसे चुनावों में गणित स्पष्ट होता है—यहां जीत का आधार संख्या और अनुशासन होता है। लेकिन जब अपने ही विधायक अनुपस्थित हों या क्रॉस-वोटिंग की आशंका पैदा हो जाए, तो यह संगठनात्मक ढीलापन और नेतृत्व की कमजोरी को उजागर करता है। ऐसे में ५ राज्यों के चुनावों मे इसका असर पड़ेगा। इसलिए अगर विपक्ष अब भी एकजुट नहीं हुआ तो एकजुट का मतलब अपने ही विधायकों का विश्वास जीतना।

राज्यसभा चुनाव सामान्यतः विधानसभा की संख्या बल पर निर्भर होते हैं, लेकिन इस बार बिहार में क्रॉस-वोटिंग और राजनीतिक रणनीतियों ने परिणाम को अलग दिशा दे दी। सत्ता पक्ष की ओर से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत दिखाई, जबकि विपक्षी खेमे में अपेक्षित एकजुटता नजर नहीं आई। यही कारण है कि परिणाम आने के बाद तेजस्वी यादव के समर्थकों में निराशा और असंतोष साफ दिखाई दिया। ज्ञात रहे कि तेजस्वी यादव पिछले कुछ वर्षों से खुद को बिहार में विपक्ष की सबसे मजबूत आवाज के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे युवाओं, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं। लेकिन राज्यसभा चुनाव के इस परिणाम ने यह संकेत दिया है कि केवल जनसभाओं और राजनीतिक भाषणों से सत्ता के समीकरण नहीं बदलते; इसके लिए ठोस राजनीतिक प्रबंधन और सहयोगियों की मजबूत प्रतिबद्धता भी जरूरी होती है। इस चुनाव ने एक और सच्चाई उजागर की—बिहार की राजनीति में अभी भी संख्या बल और रणनीति का महत्व सबसे अधिक है। यदि विपक्ष अपने भीतर की कमजोरियों को दूर नहीं करता, तो सत्ताधारी गठबंधन को चुनौती देना आसान नहीं होगा।

तेजस्वी यादव के लिए यह हार केवल एक सीट का नुकसान नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी है। यह संदेश है कि विपक्ष को संगठित होने, विधायकों के बीच भरोसा मजबूत करने और राजनीतिक रणनीति को अधिक सटीक बनाने की जरूरत है।

राज्यसभा चुनावों में लगभग 37 सीटों पर मुकाबला हुआ, जिनमें कई उम्मीदवार निर्विरोध भी चुने गए, जबकि कुछ राज्यों में सीधी टक्कर देखने को मिली।इन चुनावों ने यह साफ कर दिया कि सत्ता पक्ष जहां रणनीति और एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है, वहीं विपक्ष कई जगहों पर बिखरा हुआ नजर आता है। लोकतंत्र में हार-जीत का सिलसिला चलता रहता है। लेकिन यह हार विपक्ष के लिए आत्ममंथन का अवसर भी बन सकती है। यदि तेजस्वी यादव इस अनुभव से सीख लेकर अपनी राजनीतिक रणनीति को मजबूत करते हैं, तो आने वाले समय में यह पराजय ही उनकी नई राजनीतिक ताकत का आधार बन सकती है।

राज्यसभा चुनाव का परिणाम केवल सीटों की हार-जीत नहीं है; यह विपक्ष के सामने खड़ा आईना भी है। सवाल यही है—क्या विपक्ष इस आईने में खुद को देखने का साहस करेगा? यदि आत्ममंथन समय रहते नहीं हुआ, तो आने वाले चुनावों में भी यही कहानी दोहराई जा सकती है।

# पाठ्यपुस्तकों से परे शिक्षण: बेहतर सीखने की कुंजी

**डॉ. विजय गर्ग**

**शिक्षा** लंबे समय से ज्ञान के प्राथमिक स्रोत के रूप में पाठ्यपुस्तकों पर निर्भर रही है। पाठ्यपुस्तकें संरचित जानकारी प्रदान करती हैं, पाठ्यक्रम का मार्गदर्शन करती हैं, तथा छात्रों को परीक्षाओं की तैयारी करने में मदद करती हैं। हालाँकि, 21वीं सदी की तेजी से बदलती दुनिया में सीखना केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित नहीं रह सकता। छात्रों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और वास्तविक दुनिया की समझ विकसित करने के लिए पाठ्यपुस्तकों से परे शिक्षण आवश्यक हो गया है।

**पाठ्यपुस्तक-आधारित शिक्षा की सीमाएँ**

पाठ्यपुस्तकें मूल्यवान होती हैं, लेकिन वे अक्सर मुख्यतः सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करती हैं। जब सीखना केवल पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु को याद करने तक ही सीमित हो जाता है, तो छात्र परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन की स्थितियों में ज्ञान को लागू करने में संघर्ष करते हैं। आज शिक्षा के लिए छात्रों को समस्या-समाधान, संचार और नवाचार जैसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है। ये क्षमताएं केवल पाठ्यपुस्तक सीखने के माध्यम से पूरी तरह विकसित नहीं की जा सकती हैं। इसलिए, शिक्षकों को ऐसी विधियां अपनानी चाहिए जो सीखने की प्रक्रिया को पुस्तकों के पन्नों से आगे बढ़ा सकें।

**अनुभवात्मक और व्यावहारिक शिक्षा**

पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़ने का एक प्रभावी तरीका अनुभवात्मक शिक्षा है। यह दृष्टिकोण छात्रों को कार्य करके सीखने के लिए प्रोत्साहित करता है। प्रयोग, परियोजनाएं, क्षेत्र भ्रमण और समूह चर्चा जैसी गतिविधियां छात्रों को सिद्धांत को अभ्यास से जोड़ने में मदद करती हैं। उदाहरण के लिए, विज्ञान शिक्षा में, केवल प्रकाश संश्लेषण जैसी अवधारणाओं के बारे में पढ़ने के बजाय, छात्र पौधों का अवलोकन कर सकते हैं, सरल प्रयोग कर सकते हैं और प्रक्रिया को अधिक गहराई से समझ सकते हैं। ऐसे अनुभव सीखने को आकर्षक और यादगार बनाते हैं।

**आधुनिक शिक्षा में प्रौद्योगिकी की भूमिका**

प्रौद्योगिकी ने पाठ्यपुस्तकों से परे शिक्षण के लिए नए अवसर खोले हैं। शैक्षिक वीडियो, इंटरैक्टिव सिमुलेशन, डिजिटल लाइब्रेरी और ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म छात्रों को विषयों का अधिक गहराई से अन्वेषण करने में मदद करते हैं। यूट्यूब और खान अकादमी जैसे प्लेटफॉर्म शैक्षिक सामग्री प्रदान करते हैं जो जटिल अवधारणाओं को सरल बना सकती है और सीखने को अधिक सुलभ बना सकती है। बुद्धिमानी से उपयोग किए जाने पर, प्रौद्योगिकी कक्षा शिक्षण का पूरक बन सकती है।

# अमेरिका-इजराइल-ईरान: तृतीय विश्व युद्ध में लिप्त

**प्रो. नीलम महाजन सिंह**

**अमेरिका** व इजराइल ने ईरान पर हमला क्यों किया और यह युद्ध कब समाप्त होगा? अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले शुरू करने के उपरांत 28 फरवरी, 2026 को ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता, अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के साथ, पूरे मध्य पूर्व में संघर्ष जारी हो गया है। ईरान ने इजराइल व खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमले की जवाबी कार्रवाई जारी रखी है। ये हमले गैर-सैन्य लक्ष्यों तक फैल गए हैं, जिनमें नागरिक स्थल व ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं। अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर हमला किया था, जिसमें उन्होंने राजधानी तेहरान व पूरे देश में ईरानी मिसाइल के बुनियादी ढांचे, सैन्य ठिकानों व नेतृत्व को निशाना बनाया है। ईरान के सर्वोच्च नेता, अयातुल्ला अली खामेनेई, जो 1989 से देश का नेतृत्व कर रहे थे, हमलों की पहली लहर के दौरान मार दिए गए। इजराइली सेना ने बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के दर्जनों वरिष्ठ अधिकारी मारे गए। खामेनेई की मृत्यु के बाद उनके बेटे, मोजतबा खामेनेई को उनका उत्तराधिकारी नियुक्त किया गया। 13 मार्च को अमेरिकी रक्षा सचिव, पीट हेगसेथ ने कहा कि नए हमलों में मोजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं व संभवतः उनका चेहरा बिगड़ गया ह। उन्होंने इशारा किया कि हाल के हफ्तों में वे सार्वजनिक रूप से देखाई नहीं दिए। तेहरान ने हेगसेथ के दावे को खारिज कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि नए सर्वोच्च नेता के साथ कोई समस्या नहीं है। अमेरिका-इजराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े प्रमुख स्थलों को निशाना बनाना जारी रखा है। ईरान ने कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। हाल के दिनों में इन दोनों ने ईरानी तेल रिफाइनरियों पर हमले तेज किए हैं। अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर ध्यान केंद्रित किया, जहाँ एक बड़ा टर्मिनल है जिसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है।

# केरल में कांग्रेस के खिलाफ प्रचार करेंगे तेजस्वी !

**अशोक भाटिया**

बिहार में राज्यसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने एक ऐसा राजनीतिक बयान दिया है, जिससे विपक्षी राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि उनकी पार्टी केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव में वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के साथ मिलकर तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। तेजस्वी यादव के इस बयान को कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि केरल में कांग्रेस वाम दलों के खिलाफ मुख्य विपक्षी भूमिका में रहती है। ऐसे में राजद का वाम दलों के साथ चुनाव लड़ना कांग्रेस के साथ राजनीतिक दूरी का संकेत माना जा रहा है। बताया जाता है कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विधायकों के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की है . गौरतलब है कि सोमवार (16 मार्च) को बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए मतदान होना है. ऐसे में राज्य की पांचवीं सीट को लेकर खींचतान देखी जा रही है. इस सीट पर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और बहुजन समाज पार्टी किंगमेकर की भूमिका में दिखाई दे रही है. दोनों ही दलों का समर्थन एनडीए या महागठबंधन को मिला तो उसी की जीत होगी. ऐसे में ओवैसी और बीएसपी के विधायकों पर सबकी नजर बनी हुई है. तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि केरल में उनकी पार्टी का पहले से आधार रहा है और वहां पहले भी राजद के विधायक रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण पार्टी ने एक बार फिर वहां चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। उनका कहना था कि राजद केरल में वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी कि यह गठबंधन फिर से सत्ता में लौटे। तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी पार्टी केरल में सीमित सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन गठबंधन के साथ मिलकर काम करेगी। तेजस्वी यादव के इस फैसले का राजनीतिक महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि केरल में मुख्य मुकाबला वाम दलों के नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच होता है। इस स्थिति में राजद का वाम दलों के साथ चुनाव लड़ना सीधे तौर पर कांग्रेस के खिलाफ खड़ा होने जैसा माना जा रहा है। बिहार में जहां राज्यसभा चुनाव के दौरान राजद को कांग्रेस के समर्थन की जरूरत है, वहीं दूसरी ओर केरल में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। केरल की राजनीति लंबे समय से दो प्रमुख गठबंधनों के बीच घूमती रही है। एक ओर वाम दलों के नेतृत्व वाला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा है, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा है। इन दोनों गठबंधनों के बीच राज्य की सत्ता के लिए लगातार मुकाबला होता रहा है। केरल में लंबे समय तक यह परंपरा रही कि हर चुनाव में सत्ता परिवर्तन होता था और जनता एक बार वाम दलों को तो अगली बार कांग्रेस गठबंधन को सत्ता में लाती थी। इन सब के बीच सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बिहार और केरल की राजनीति में गठबंधनों का समीकरण बहुत अलग है। बिहार में फ्खऊ की अगुवाई वाले महागठबंधन में कांग्रेस और वाम दल छोटे सहयोगी की भूमिका में हैं। वहीं केरल में कांग्रेस और CPI(M) के नेतृत्व वाले वाम दल एक-दूसरे के कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं। यही कारण है कि जहां बिहार में कांग्रेस और वाम दल एक साथ चुनाव लड़ते हैं, वहीं केरल में दोनों अलग-अलग मोर्चों पर आमने-सामने खड़े होते हैं। ऐसे में RJD का LDF के साथ जाना राजनीतिक रूप से एक दिलचस्प समीकरण बना रहा है। दरअसल, पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव तिथियों की घोषणा ने वामपंथी दलों के लिए राजनीतिक रणभूमि तैयार कर दी है।

केरल में अपने एकमात्र मजबूत गढ़ को बचाए रखने और पश्चिम बंगाल में खोई राजनीतिक पकड़ को वापस हासिल करने की चुनौती उनके सामने है, जिससे ये चुनाव उनके लिए न केवल सत्ता की रक्षा बल्कि राजनीतिक पुनरुत्थान की कसौटी भी साबित होंगे।

# लाक्षागृह बनते अस्पताल, बेमौत मरते लोग?

**सौरभ वार्ष्णेय**

**कैसी** विडंबना है कि जीवनदान देने वाले अस्पताल अब लाक्षागृह बनते जा रहे है और लोग असमय काल के गाल में समा रहे हैं जहां लोग जीवन बचाने के लिए जाते है अगर वहां मौत नसीब हो तो यह वहुत ही खौफनाक त्रासदी है। ताजा घटना में ओडिशा के एससीबी मेडिकल कालेज व अस्पताल में हुआ जहां आग लगने से 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। आईसीयू में 23 मरीज दाखिल थे ।आग सुबह अढाई और तीन बजे के करीब लगी जिससे अफरा तफरी मच गई ।यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले भी हजारों हादसे हो चुके हैं।आंकडों के अनुसार कुछ साल पहले मुबंई के ईएसआईसी कामगार असपताल में आग लगने से छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी और 146 लोग घायल हो गए थे । मरीजों व तीमारदारों को निकलने का मौका नहीं लगा और बेमौत मारे गए। छह लोगों की बुरी तरह झुलसने से मौत हो गइ थी। आग के कारणों का पता नहीं चल सका पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के मैडिकल कालेज व अस्पताल में भीषण आग लगने से तीन लोंगों की मौत हो गई थी और 18 लोग बुरी तरह झुलस गए थे।मृतको में एक बच्चा व दो महिलाएं शामिल थे।आग एसी मशीन के कारण लगी बताई जा रही थी।हादसे के समय सैकडों मरीज कर्मचाारी मौजूद थे मगर लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। असपताल में चारों तरफ धुआं फेल गया था गनीमत रही लोग सुरक्षित स्थानों की तरफ भाग गए नहीं तो मृतकों का आंकडा ब-सजय सकता था। देश में अस्पतालों में आग का यह कोई पहला मामला नहीं है हर रोज कहीं न कहीं से ऐसे हादसे होतें रहते है कुछ दिन व्यवस्था ठीक रहती है फिर वही परिपाटी चल पडती है। सरकारें मुआवजा देकर अपना फर्ज निभाती है लेकिन मुआवजा इसका हल नही है। हादसों में झुलस गए लोग ताउम्र इसका दंश झेलेगें ।आज समूचे भारत में प्रतिदिन भीषण अग्निकांड़ हो रहे है। इन अग्निकांड़ो से कई प्रशन सुलगते जा रहे है कि देश के मसीहाओं को इन हादसों से कोई सरोकार नहीं होता। सरकार को ऐसे हादसों से सबक सीखना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके यह जनहित में है। सर्तकता बरतनी होगी।अगर अब भी लापरवाही बरती तो ऐसे हादसे होते रहेगें वक्त अभी संभलने का है।

# लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

**नई दिल्ली**/घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में लिवालों और बिकवालों की खींचतान के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा, लेकिन दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले लिवालों ने खरीदारी का जोर बना दिया। खरीदारी के सपोर्ट से दोनों सूचकांकों ने शानदार तेजी हासिल कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत और निफ्टी 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, इंफ्रास्ट्रक्चर, मीडिया और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारी होती रही,

जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 433.35 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 430.57 लाख करोड़ रुपये था।

इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.78 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,411 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,364 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,892 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 155 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,972 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,770 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,202 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 323.83 अंक की मजबूती के साथ 75,826.68 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 15 मिनट में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से लगभग 500 अंक टूट कर 178.12 अंक की कमजोरी के साथ 75,324.73 अंक के स्तर तक गिर गया।

## टिपको इंजीनियरिंग का आईपीओ 23 मार्च को लॉन्च होगा, निवेशक 25 मार्च तक लगा सकेंगे बोली

**नई दिल्ली**/इंडस्ट्रियल मशीनरी कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी टिपको इंजीनियरिंग इंडिया ने अपने आईपीओ की लॉन्चिंग का ऐलान कर दिया है। कंपनी का 60.55 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 मार्च को खुलेगा। इस आईपीओ में निवेशक 25 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर एक अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 84 रुपये से लेकर 89 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है।

## शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी

**नई दिल्ली**/घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। इस उतार-चढ़ाव के बावजूद बाजार लगातार मजबूती के साथ ही कारोबार करता रहा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.47 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टीसीएस, जियो फाइनेंशियल, टेक महिंद्रा, विप्रो और इन्फोसिस के शेयर 2.95 प्रतिशत से लेकर 2.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, कोल इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील के शेयर 1.17 प्रतिशत से लेकर 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,708 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,331 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 377 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

## देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में गिरावट का रुख, सोना और चांदी की घटी कीमत

**नई दिल्ली**/घरेलू सराफा बाजार में आज पहले सत्र के कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। मंगलवार को कारोबार की शुरूआत में ही हाजिर सोने के भाव में 2,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,410 रुपये से लेकर 1,57,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,44,290 रुपये से लेकर 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सराफा बाजार में 2,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,560 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

## पीयूष गोयल ने पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था को बताया मजबूत

**नई दिल्ली**/केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। लोकसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए दुनिया भर में उत्साह बढ़ रहा है। गोयल ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बावजूद भारतीय आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में 38 देशों के साथ व्यापार समझौते किए गए हैं, जिनसे निर्यातकों को अवसर मिले हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत मार्च के अंत तक अपने निर्यात स्तर को बनाए रखेगा, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एक नया अध्याय होगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने सदन को बताया कि जब ये सभी मुक्त व्यापार समझौते लागू हो जाएंगे, तो इनसे भारतीय निर्यातकों के लिए अपार अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि भारत के माल निर्यात में पिछले महीने फरवरी तक कोई बदलाव नहीं आया, लेकिन इसमें गिरावट भी नहीं हुई। गोयल ने कहा कि मार्च के पहले हफ़्ते में निर्यात में कुछ गिरावट आई थी, लेकिन दूसरे हफ्ते में इसमें फिर से बढ़ोतरी देखने को मिली है।

## ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

**नई दिल्ली**/ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी बनी रही। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार भी आज बढ़त के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारों ने लिवाली का जोर दिखाया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए।

## नोवस लॉयल्टी का आईपीओ लॉन्च, 25 मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

**नई दिल्ली**/टेक्नोलॉजी सर्विस प्रोवाइडर नोवस लॉयल्टी लिमिटेड का 60.15 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 20 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 25 मार्च बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। शाम पांच बजे तक कंपनी

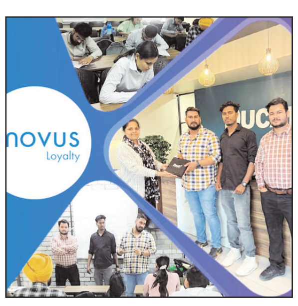


के आईपीओ को 83 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 139 रुपये से लेकर 146 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,92,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 41.20 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 45 करोड़ रुपये के 30.70 लाख नए शेयर और 12 करोड़ रुपये के 8.20 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

## होर्मुज से 47 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार पोर्ट पहुंचा 'नंदा देवी'

**नई दिल्ली**/देश में एलपीजी की किल्लत के बीच शिवालिक के बाद अब एलपीजी टैंकर 'नंदा देवी' 47 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंच गया है। इस समय नंदा देवी से एलपीजी को दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जा रहा है। गुजरात के दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (डीपीए) के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने मंगलवार को वडीनार टर्मिनल के पास स्थित मिड सी का दौरा किया। यहां आज पहुंचे एलपीजी कैरियर नंदा देवी जहाज नंदा देवी के कैप्टन और क्रू-मेंबर से बातचीत की। मिड सी में ही नंदा देवी से पूरी 47 हजार मीट्रिक टन एलपीजी को दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जाएगा। यह काम पूरा होने के बाद एलपीजी का आधा स्टॉक एन्नोर बंदरगाह में ऑफलोड किया जाएगा। इसके साथ ही आधा स्टॉक पश्चिम बंगाल के हल्दीया बंदरगाह पर ऑफलोड होगा। मुंद्रा बंदरगाह पर खड़ा शिवालिक एलपीजी कैरियर अब मुंद्रा में 12 हजार टन एलपीजी का स्टॉक ऑफलोड करके वडीनार मिड सी में जाएगा और शाम को बाकी का बचा स्टॉक बीच समुद्र में दूसरे शिप में ट्रांसफर करेगा, जो बाद में उस स्टॉक को गुजरात के भरूच जिले में खंभात की खाड़ी में स्थित दाहेज बंदरगाह पर और मैंगलोर के दो अलग-अलग टर्मिनल्स पर ऑफ लोड करेगा।

## रेनो की 'डस्टर' नए अवतार में लॉन्च, शुरूआती कीमत 10 .49 लाख रुपये

**नई दिल्ली**/फ्रांसीसी कार निमार्ता कंपनी रेनो ने मंगलवार को भारतीय बाजार में अपनी लोकप्रिय मिड-साइज एसयूवी 'डस्टर' को बिल्कुल नए अवतार में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसकी शुरूआती कीमत 10.49 लाख रुपये तय की है। देशभर में इसकी डिलीवरी आज से ही शुरू हो गई है। रेनो इंडिया के उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) फ्रांसिस्को हिडाल्गो के मुताबिक नई डस्टर भारतीय ग्राहकों की उम्मीदों के अनुरूप मजबूत प्रदर्शन, टिकाऊपन और रोजमर्रा की

उपयोगिता वाली खूबियों से लैस है। हमें उम्मीद है कि यह भारतीय ग्राहकों को एक भरोसेमंद विकल्प देगी। कंपनी ने बताया कि नई डस्टर में टर्बो टीसीई 1.0 लीटर और 1.6 लीटर वाले दो इंजन विकल्प उपलब्ध हैं। इसे मैनुअल ट्रांसमिशन के अलावा डीसीटी ट्रांसमिशन के साथ भी पेश किया गया है। पांच संस्करणों में उपलब्ध इस मॉडल के शुरूआती संस्करण की शोरूम कीमत 10.49 लाख रुपये रखी गई है। हालांकि, 31 मार्च तक बुकिंग कराने वाले ग्राहकों को यह संस्करण 10.29 लाख रुपये की शोरूम कीमत पर ही मिल जाएगा। रेनो ने इस एसयूवी को फुल एलईडी लाइटिंग, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट, एडास फीचर और 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर के साथ पेश किया है।

## कड़ी मेहनत से मिलती है सफलता : रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने उम्मीद जतायी है कि जिस प्रकार भारतीय क्रिकेट आगे बढ़ रहा है वह सिलसिला बना रहेगा। रोहित ने कहा कि सफलता कड़ी मेहनत और अभ्यास से मिलती है और उसका कोई भी शॉर्टकट या आसान रास्ता नहीं होता। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय पुरुष और महिला टीमों द्वारा हाल में जीते गए आईसीसी खिताब भविष्य में और बड़ी सफलताओं का आधार बनेंगे। रोहित ने कहा कि टीम की सफलता के पीछे मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ियों के साथ-ही सहयोगी स्टाफ सहित वे लोग भी रहते हैं जो सामने नजर नहीं आते पर वे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं1 रोहित शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करना आसान नहीं होता और इसके लिए खिलाड़ियों को लगातार समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि केवल खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि टीम प्रबंधन, कोचिंग स्टाफ और अन्य सहयोगी स्टाफ को भी सफलता के लिए लगाता मेहनत करनी होती है। इसलिए टीम की उपलब्धियों का श्रेय सभी लोगों को मिलना चाहिए। रोहित ने भारतीय क्रिकेट की हाल की सफलताओं पर खुशी जताते हुए कहा कि पिछले कुछ साल में देश का झंडा लगातार ऊंचा लहराया है। उन्होंने कहा कि केवल पुरुष क्रिकेट ही नहीं बल्कि महिला क्रिकेट ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। रोहित के मुताबिक भारतीय महिला टीम की विश्वकप जीत की उपलब्धियां भी उतनी ही प्रेरणादायक हैं जितनी पुरुष टीम की। राष्ट्रीय टीमों के साथ ही महिला और पुरुष वर्ग में अंडर-19 टीमों ने भी खिताबी जीत दर्ज की जिससे पता चलता है कि भविष्य की टीम की सफलता के लिए तैयार है।

## बंगलादेश ने पाकिस्तान को 11 रनों से हराया और सीरीज भी जीती

**मीरपुर (एजेंसी)।** आगा सलमान का शतक गया बेकार, बंगलादेश ने तंजिद हसन (107) और मो. तौहीद हृदोय (नाबाद 48) की शानदार पारियों के बाद तस्कीन अहमद की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में रविवार को पाकिस्तान को 11 रनों से शिकस्त दी। इसी के साथ बंगलादेश ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

291 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और उसने 17 रन के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा दिये। साहिबजादा फरहान (छह), एम सदाकत (छह) और मोहम्मद रिजवान (चार) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद गाजी गौरी और अब्दुल समद ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट लिये 50 रन जोड़े। 14वें ओवर में नाहिद राणा ने गाजी गौरी (29) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अब्दुल समद (34), साद मसूद (38) और फहीम अशरफ (नौ) रन बनाकर आउट हुये। इसी दौरान आगा सलमान एक छोर थामे रन बनाते रहे। आगा सलमान ने कप्तान शाहीन शाह अफरीदी के

साथ आठवें विकेट के लिय 52 रन जोड़े। 48वें ओवर में तस्कीन अहमद ने आगा सलमान को आउट कर पाकिस्तान को आठवां झटका दिया। आगा सलमान ने 98 गेंदों में नो चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 106 रनों की शतकीय पारी खेली। 49वें ओवर में मुस्तफिजुर रहमान ने हारिस रउफ (एक) को आउटकर बंगलादेश को नौवीं सफलता दिलाई। मैच की आखिरी गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी (37) रन बनाकर आउट हुये। इसी के साथ बंगलादेश ने 11 रनों से मुकाबला जीत लिया।

बंगलादेश के लिए तस्कीन अहमद ने चार विकेट लिये। मुस्तफिजुर रहमान को तीन विकेट मिले। नाहिद राणा ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। रिशाद हुसैन को एक विकेट मिला।

इससे पहले आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश के लिए सैफ हसन और तंजिद हसन की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 105 रन जोड़े। 19वें ओवर में शाहीन शाह अफरीदी ने सैफ हसन (36) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद नजमुल शान्तो ने तंजिद हसन के साथ दूसरे विकेट लिए 53 रन जोड़े। 30वें ओवर में हारिस राउफ ने नजमुल शान्तो (27) को आउट कर पवेलियन भेज दिया।

37वें ओवर में बंगलादेश का तीसरा विकेट तंजिद हसन के रूप में गिरा। हालांकि तब तक वह अपना शतक पूरा कर चुके थे। उन्हें अबरार अहमद ने आउट किया। तंजिद हसन ने 107 गेंदों में छह चौके और सात छक्के उड़ाते हुए 107 रनों की पारी खेली। लिटन कुमार दास (41) और रिशाद हुसैन (शून्य) पर आउट हुये। बंगलादेश ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 290 रनों का स्कोर बनाया। मो. तौहीद हृदोय ने 44 गेंदों में चार चौके लगाते हुए नाबाद 48 रनों की पारी खेली। अफिफ हुसैन ध्रुबो पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान के लिए हारिस राउफ ने तीन विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

## अगर मनप्रीत मेरा रिकॉर्ड तोड़ देता है तो मुझे बहुत खुशी होगी : दिलीप टिर्की

कोलकाता। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप टिर्की ने कहा कि अगर मनप्रीत सिंह उनके 412 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के रिकॉर्ड को तोड़ देते हैं तो उन्हें बहुत खुशी होगी। टिर्की ने रेवस्पोर्ट्ज़ ट्रेलब्लेज़र्स 4.0 के एक सत्र के दौरान कहा, 'अगर मनप्रीत मेरा रिकॉर्ड तोड़ता है तो मुझे बहुत खुशी होगी। रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं।' मनप्रीत ने अभी तक 411 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और उन्हें सबसे पहले 400 से अधिक मैच खेलने वाले टिर्की से आगे निकलने के लिए केवल दो मैच की जरूरत है। टिर्की ने कहा, 'मैं दुनिया का पहला खिलाड़ी था जिसने 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और यह उपलब्धि हमेशा मेरे साथ रहेगी। मैं इस बात को अच्छी तरह से जानता हूं कि इसके लिए कितनी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसके लिए हमेशा फिट रहना और लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है।' उन्होंने कहा, 'अगर मनप्रीत इसी तरह से खेलते रहे और वह अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं तो उनके पास मेरा रिकॉर्ड तोड़ने का अच्छा मौका है। मेरे हॉकी इंडिया के अध्यक्ष रहते हुए किसी भारतीय खिलाड़ी का यह रिकॉर्ड बनाना मेरे लिए खास होगा।' इस अवसर पर मनप्रीत ने कहा कि यह साल भारतीय हॉकी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और उसे अपने कमजोर क्षेत्रों पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, 'मैं वापस शिविर में लौट आया हूं और कड़ी मेहनत कर रहा हूं। यह साल हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। शिविर में हमें यह पता करने का मौका मिला कि हमें किन क्षेत्र में सुधार की जरूरत है और हम सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

## ईरान के वर्ल्ड कप मैच कराने को तैयार मेक्सिको, अंतिम फैसला फीफा पर

**मेक्सिको सिटी**/ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच मेक्सिको ने 2026 फीफा वर्ल्ड कप में ईरान के मैचों की मेजबानी करने की इच्छा जताई है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शाइनबाम ने कहा है कि यदि फीफा इसकी अनुमति देता है तो मेक्सिको ईरान के मुकाबलों की

मेजबानी करने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति शिनबाम ने कहा कि उनके देश को ईरानी टीम के मैच आयोजित करने में कोई आपत्ति नहीं है और वह इस मामले में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संगठन के फैसले का सम्मान करेगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। दरअसल, ईरान फुटबॉल फेडरेशन ने हाल ही में अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। फेडरेशन ने मांग की है कि अमेरिका में प्रस्तावित ईरान के मैचों को वहां से हटाकर मेक्सिको में कराया जाए। यह मांग ऐसे समय सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण दोनों देशों के संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं।

## बुमराह ने शादी की सालगिरह पर पत्नी संजना को बधाई दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शादी की सालगिरह पर अपनी पत्नी और स्पोर्ट्स प्रेजेंटर संजना गणेशन को बधाई दी पर संजना ने इसके बाद मजाकिया अंदाज में उन्हें ट्रॉल कर दिया। संजना और बुमराह की शादी की ये पांचवीं सालगिरह थी। साल 2021 में इनकी शादी हुई थी। सालगिरह पर संजना ने एक खास पोस्ट की। संजना ने उनकी छोटी सी कैप्शन पर मजाकिया अंदाज में जवाब देने के साथ ही दोनों की कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि चाहे जिंदगी उन्हें कहीं भी ले जाए या दुनिया कितनी भी व्यस्त हो जाए, वे हमेशा एक-दूसरे के साथ हैं। उन्होंने बुमराह को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया और कहा कि उनकी साथ की कहानी उनकी सबसे पसंदीदा है। हाल मे हुए टी20 विश्वकप में बुमराह का प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने आठ मैचों में 14 विकेट लिए। अब वह आईपीएल में खेलते हुए दिखेंगे। आईपीएल टूर्नामेंट की शुरुआत 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच से होगी।

## वैभव सूर्यवंशी ने किया खुलासा, आईपीएल में क्रिस गेल के इस बड़े रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 15 मार्च को दिल्ली में बीसीसीआई के वार्षिक अवॉर्ड समारोह में हर्षा भोगले से बात करने के दौरान वैभव सूर्यवंशी इस बात को लेकर निश्चित थे कि वह क्रिस गेल के 175 रन के उस रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं जो उन्होंने 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खेलते हुए पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ बनाया था। गेल ने 66 गेंदों पर 175 रनों की पारी खेली थी जो कि पुरुष टी20 में अभी तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

2018 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ आरोन फिंच द्वारा बनाए गए 172 रन इस सूची में दूसरे स्थान पर है। सूर्यवंशी ने खुद भी 2025 के अंतिम दिनों में एशिया कप राइज़िंग स्टार्स टूर्नामेंट में यूएई के ख़िलाफ़ खेलते हुए इंडिया ए के लिए 144 का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया थे। जो कि उनके द्वारा खेली गई अब तक 18 टी20 पारियों में तीसरा शतक था।

आईपीएल के इतिहास में उनके नाम दूसरा सबसे तेज शतक भी है, जो उन्होंने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स (RR) के लिए खेलते हुए गुजरात टाइटंस (GT) के खिलाफ 35 गेंदों में जड़ा था। यह दूसरा सबसे तेज शतक है क्योंकि गेल ने अपनी 175 रनों की पारी में शतक मात्र 30 गेंदों पर जड़ दिया था। सूर्यवंशी अभी 15 वर्ष के भी नहीं हुए हैं लेकिन अपने अब तक के छोटे से करियर में ही उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है और वह IPL 2026 से पहले आरआर द्वारा रिटेन किए गए खिलाड़ियों में से भी एक थे।

अवॉर्ड समारोह के दौरान उन्होंने जियो हॉटस्टार से बात करते हुए कहा, 'IPL 2026 के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य तो टीम के लिए ट्रॉफी जीतना है क्योंकि यह सबसे जरूरी चीज है। क्योंकि अगर टीम ट्रॉफी जीतती है तो इसका मतलब होगा कि मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम को इसका फायदा मिलेगा। तो यही लक्ष्य है, अपनी टीम को जीत दिलाने में अपना योगदान देना और ट्रॉफी जीतना।'

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर -8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No.HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबरः- 9499422208, Email:- Info@hindustanekta.com

## कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर के बाद लक्ष्य लालवानी भी छोड़ सकते हैं 'दोस्ताना 2'

कुछ दिनों बाद में फिल्म की कास्ट में बड़ा बदलाव देखने को मिला। कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर इस प्रोजेक्ट से अलग हो गए, जबकि लक्ष्य लालवानी अभी तक इस फिल्म से जुड़े हुए हैं।

### विक्रांत मैसी होंगे फिल्म का हिस्सा

इसी बीच हाल ही में अभिनेता विक्रांत मैसी ने पुष्टि की थी कि वह 'दोस्ताना 2' का हिस्सा हैं। लेकिन अब फिल्म को लेकर एक नई खबर सामने आई है। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्य भी इस फिल्म से अलग हो सकते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि धर्मा प्रोडक्शन्स की यह फिल्म एक बार फिर देरी का शिकार हो गई है, जबकि इसकी शूटिंग कई साल पहले शुरू हो जानी चाहिए थी।

### फिल्म की कास्ट नहीं हुई है फाइनल

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया, 'दोस्ताना 2 की कास्ट अभी तक फाइनल नहीं हुई है। हो सकता है कि लक्ष्य भी यह फिल्म न करें।' सूत्र ने यह भी बताया कि 'दोस्ताना 2' बनना तय है, लेकिन फिलहाल फिल्म की कास्ट लॉक नहीं की गई है। हालांकि इस खबर को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो लक्ष्य ने हिंदी फिल्मों में डेब्यू धर्मा प्रोडक्शन्स की फिल्म 'किल' से किया था। इस फिल्म में उनके साथ राघव जुयाल और तान्या मानिकतला भी नजर आए थे। इसके बाद वह आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू सीरीज 'द बैस्टर्ड्स ऑफ बॉलीवुड' में भी दिखाई दिए। अब जल्द ही लक्ष्य फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी कर रहे हैं और इसे भी धर्मा प्रोडक्शन्स ही प्रोड्यूस कर रहा है।

# 85-90 बार रिजेक्ट होने के बाद निम्रत कौर को मिला था पहला काम

निजी जिंदगी में बड़े हादसों को झेलने के बाद पर्दे पर पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना हिम्मतवालों का काम है और ऐसी हिम्मत व जज्बा कम ही अभिनेत्रियों में देखने को मिलता है। ऐसी ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी अभिनेत्री हैं निम्रत कौर, जिन्होंने 'द लंचबॉक्स,' 'पेडल्स,' और 'होमलैंड' जैसी फिल्मों से हॉलीवुड और बॉलीवुड में दर्शकों का दिल जीता, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अभिनेत्री की निजी जिंदगी और करियर दोनों ही मुश्किलों से भरे थे। राजस्थान के गांव में 13 मार्च को जन्मी निम्रत कौर आर्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उनके पिता मेजर भूपिंदर सिंह भारतीय सेना में अधिकारी थे लेकिन कश्मीर में हुए एक विद्रोह में कुछ लोगों ने उन्हें किडनैप करके मौत के घाट उतार दिया था और उस वक्त निम्रत 12 साल की थी। अपने पिता को खोने का गम साथ लिए वह परिवार के साथ नोएडा शिफ्ट हो गईं, जहां उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी की।

निम्रत को पहले से ही बॉलीवुड की चमक पसंद थी और अपनों की उड़ान को पूरा करने के लिए न सिर्फ मुंबई का रुख किया बल्कि थिएटर भी किया। पहले अपनी कला को निखारने के लिए अभिनेत्री ने कई नाटकों में भाग लिया लेकिन फिल्मों में आने की राह आसान नहीं थी। पैसे कमाने के लिए प्रिंट मॉडलिंग की और लेकिन काम की तलाश में उन्हें बॉलीवुड की तरफ से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अभिनेत्री के रंग, हाइट और शारीरिक बनावट पर सवाल उठाए गए लेकिन निम्रत ने कभी हार नहीं मानी और परेशानी का सामना मजबूती से किया। उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि काम की तलाश में रोज कई जगह भटकना पड़ता था और पहला काम 85-90 बार ऑडिशन में रिजेक्ट होने के बाद मिला था। निम्रत ने फिल्म से पहले साल 2004 में एल्बम सॉन्ग में काम किया था। उन्हें 'तेरा मेरा प्यार' और 'ये क्या हुआ' गानों में बतौर लीड देखा गया, जिसके बाद अनुराग कश्यप की वजह से उन्हें बॉलीवुड में काम करने का मौका मिला। उन्हें साल 2012 में दमदार फिल्म 'पेडलर्स' में देखा गया लेकिन असली लोकप्रियता 'द लंचबॉक्स' से मिली थी। आज निम्रत बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी पर अपनी एक्टिंग का दम दिखा रही हैं। उनकी 'द फैमिली मैन', 'एयरलिफ्ट', 'स्काईफोर्स' और 'दसवीं' दर्शकों की फेवरेट क्राइम थ्रिलर सीरीज है।

## राजामौली की 'वाराणसी' में होगी सुदीप की भी एंट्री

साउथ के डायरेक्टर एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' लगातार सुर्खियों में है। इस फिल्म से जुड़े लगातार अपडेट सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। पहले ही महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन इस परियोजना का हिस्सा बन चुके हैं। हाल ही में खबर आई कि दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज भी फिल्म में शामिल हो गए हैं। अब ताजा चर्चा है कि सुपरस्टार किच्चा सुदीप भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि अभी तक निर्माताओं की ओर से पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अगर यह खबर सही साबित होती है, तो यह किच्चा और राजामौली का तीसरा सहयोग होगा। पहले दोनों ने फिल्म 'ईगा' में साथ काम किया था और इसके अलावा सुदीप ने 'बाहुबली : द बिगिनिंग' में भी छोटा लेकिन यादगार किरदार निभाया था।

## वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' में कुशा कपिला, निरहुआ की एंट्री

मशहूर कोर्टरूम कॉमेडी वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर काफी धमाकेदार है। रवि किशन इसमें वीडी त्यागी के रूप में वापसी कर रहे हैं। वह जज की भूमिका में नजर आ रहे हैं। नए सीजन में कुशा कपिला और निरहुआ नजर आएंगे।

2 मिनट 32 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि रवि किशन जज बनने वाले हैं। इस बात से उनके साथी खुश होते हैं। हालांकि आगे का रास्ता उनके लिए मुश्किल होने वाला है। रवि किशन जब जज बन जाते हैं, तो उनके सामने कई हैरान करने वाले केस आते हैं। इसके बाद कोर्ट में कई अजीब चीजें होती हैं। आखिर में जब रवि किशन एक फैसला करने वाले होते हैं, तो उन्हें बताया जाता है कि वह अभी जज नहीं बने हैं।

'मामला लीगल है 2' के ट्रेलर में कुशा कपिला और निरहुआ नजर आए हैं। इसमें इन दो कलाकारों के अलावा रवि किशन, निधि बिष्ट, नायला ग्रेवाल, अनंत वी जोशी, अंजुम बत्रा, विजयंत कोहली और राजेंद्र गुप्ता भी हैं। इसके निर्देशक राहुल पांडे हैं। सीरीज को पोशम पा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इसे 3 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर किया जाएगा।

### पहली सीरीज पर मिला अच्छा रिस्पॉन्स

सीरीज का पहला सीजन साल 2024 में रिलीज हुआ था। कॉमेडी और कोर्टरूम ड्रामा ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद फैंस इसके दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे थे। 'मामला लीगल है' में कई केस असल जिंदगी से प्रेरित दिखाए गए थे।

# 'भारत भाग्य विधाता' में नर्स का किरदार निभाएंगी कंगना रनौत

**बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने राजनीति में कुछ समय बिताने के बाद अब अपनी नई फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। कंगना की आगामी फिल्म का नाम 'भारत भाग्य विधाता' है। एक खबर के अनुसार, कंगना इस फिल्म में एक नर्स का किरदार निभाएंगी। फिल्म मुंबई के कामा और अल्बलेस अस्पताल में 26/11 हमलों के दौरान हुई घटना पर आधारित है। कंगना की इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं।**

### 'भारत भाग्य विधाता' के बारे में

'भारत भाग्य विधाता' फिल्म में गिरिजा ओक भी मुख्य भूमिका में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन मनोज तापड़िया कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

'भारत भाग्य विधाता' फिल्म 2008 के मुंबई 26/11 आतंकी हमलों पर आधारित है, खासकर अस्पताल में हुई घटनाओं और वहां के लोगों की बहादुरी पर। यह फिल्म दिखाएगी कि कैसे अस्पताल के कर्मचारियों ने मुश्किल वक्त में हिम्मत दिखाई और स्थिति को संभाला।

### हॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी कंगना?

कंगना अभिनेता आर. माधवन के साथ एक और फिल्म में काम करेंगी, जिसका निर्देशन ए.एल. विजय करेंगे। इसके अलावा, कंगना जल्द हॉलीवुड में 'ब्लेस्ड बी द इविल' फिल्म से डेब्यू कर सकती हैं, जिसमें टायलर पोसी और स्कारलेट रोज स्टैलोन भी होंगे।

# इकबाल खान ने किरदारों के सिलेक्शन पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर बात की

**साल 2003 में 'फंटूश' फिल्म से अपने करियर की शुरूआत करने वाले इकबाल खान टीवी शो 'कैसा ये प्यार है' से हर घर में पहचाने जाने लगे। इन दिनों वह अपने नए शो 'हुई गुम...यादें-एक डॉक्टर दो जिंदगियां' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने इस नए सीरियल के अलावा अपने किरदार, करियर और बाकी चीजों के बारे में बात की। इकबाल खान ने यह भी बताया कि उन्होंने अपने अब तक के करियर में क्या कुछ बदलाव देखे। साथ ही किरदारों के सिलेक्शन पर सोशल मीडिया के प्रभाव के बारे में भी बात की।**

### छोटे पर्दे पर आपका एक लंबा सफर रहा है, क्या आज करियर में कुछ बदलाव देखते हैं?

मेरी पहली फिल्म आई थी 2003 में 'फंटूश', वहां से मेरा करियर शुरू हुआ था। उसके बाद 'कैसा ये प्यार है' शो ने मुझे अंगद के रूप में हर घर में पहचान दी थी। बदलाव तो जीवन का नियम है। मुझे लगता है कि मैं पहले से बेहतर ही हुआ हूं। जिंदगी में इंसान सीखने के लिए ही आता है। मैंने भी बहुत सीखा है।

### आपको क्या लगता है, सोशल मीडिया ने किरदारों और कंटेंट चुनने पर भी असर डाला है?

मेरी जिंदगी में सोशल मीडिया मुझे कंट्रोल नहीं करता, मैं उसे कंट्रोल करता हूं। दूसरा, बीच में एक ऐसा वक्त आया था, जब सोशल मीडिया को लेकर बहुत सारी चीजें हो रही थीं, कास्टिंग वगैरह भी उसको देखकर होने लगी थी, लेकिन वो बड़े लेवल पर नहीं होता है। मुझे लगता है कि प्रमोशन के लिए सोशल मीडिया बहुत बढ़िया है। लेकिन आपका प्रोडक्ट कितना बढ़िया से चल रहा है, वो आप सोशल मीडिया से पता नहीं कर सकते। चाहे आप फिल्म ले लें या टीवी शोज ले लें, इन सबके दर्शक अलग-अलग होते हैं। सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया है, लेकिन पता नहीं आपके फॉलोअर्स क्या देखना पसंद करते हैं। क्या पता उनमें से कितने दर्शक टिकट खरीदकर फिल्म देखने जाते हैं।

### आप पिता हैं तो कंटेंट चुनने को लेकर आपकी सोच में कितना बदलाव आया है?

क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, इस चुनाव को करने के लिए सब उतने खुशकिस्मत नहीं होते। मैं अपनी बात नहीं कर रहा। मैं इस मामले में कोई राय नहीं देना चाहता। बहुत सारे लोग कुछ भी काम कर रहे होते हैं, क्योंकि उन्हें अपना घर चलाना होता है, तो इस चीज में कुछ कहूंगा तो वो अच्छी बात नहीं लगेगी। ऊपर वाले ने मुझ पर बहुत रहम किया है, काम को लेकर मेरी जिंदगी में कभी कोई कमी नहीं रही। उतार-चढ़ाव जिंदगी का हिस्सा है, कोई ये नहीं कह सकता कि पिछले 23 साल में उसकी जिंदगी में मजे ही रहे हैं।

### आप खाली वक्त में क्या कुछ करते हैं और उनकी प्लानिंग कैसे होती है?

एक परिवार वाला व्यक्ति क्या ही करेगा। जब बच्चे होते हैं तो उसे हर चीज उसे देखकर ही करनी होती है। मुझे अपने लिए कुछ खरीदने या करने का शौक नहीं है। ट्रैवलिंग के लिए 80 प्रतिशत प्लानिंग तो बीवी ही करती है, और उन्हें करनी भी चाहिए। अगर हमसे कोई गलती हो जाए तो गड़बड़ हो जाएगी। अगर बीवी करती है, तो गड़बड़ भी उसका ही माना जाएगा ।

### अपने नए शो में आप डॉक्टर बने हैं। क्या है इसके पीछे की कहानी?

ये एक ऐसे डॉक्टर की कहानी है, जिसकी पिछले 8 साल की यादें खो जाती हैं। उससे पहले वो क्या था और बाद में वो क्या बन जाता है, पहले लोगों के साथ वह कैसा था, अब वो लोगों के साथ कैसा है, बहुत सारी ऐसी चीजें हैं, जो इस शो में दिखाई जाएंगी। रिलेशनशिप इंसान की जिंदगी में बहुत जरूरी चीज होती है, इस शो में भी रिलेशनशिप काफी मायने रखती है। इसकी बीवी, बच्चों, डॉक्टर्स और मरीजों के साथ कैसा रिश्ता है वो इसमें दिखाया जाएगा।